राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

'ऑक्टेव' सांस्कृतिक समारोह के जरिये भारत की बहुरंगी संस्कृति मुखर होगी–राज्यपाल

पटना, 12 दिसम्बर 2019

''किसी भी देश की पहचान उसकी भौतिक और आर्थिक प्रगति से ज्यादा उसकी सांस्कृतिक समृद्धि पर निर्भर करती है। भारत की संस्कृति बहुरंगी है। यहाँ के सांस्कृतिक उपवन में रंग–विरंगे फूल खिले हैं और सभी फूलों की रंगीनी और खुशबू से जो सुगंध निकलती है, वही सच्ची भारतीयता का सुवास है। प्रान्त, जाति, भाषा, प्रकृति सबकी विविधता के बावजूद हमारी सांस्कृतिक पहचान एक है।'' –उपर्युक्त उद्‌गार महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने उत्तर–पूर्वी राज्यों के सांस्कृतिक महोत्सव –'**OCTAVE-2019**' का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किए।

नगाड़े बजाकर पारम्परिक रूप में इस समारोह का शुभारंभ करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि अरूणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, सिक्किम और त्रिपुरा के कलाकारों के माध्यम से इन प्रदेशों की संस्कृतियों का इस महोत्सव में मधुर मिलन हुआ है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों के कलाकार एक–दूसरे की सांस्कृतिक विशेषताओं से इस महोत्सव के जरिये परिचित होंगे। श्री चौहान ने कहा कि इस महोत्सव से सभी कलाकारों और दर्शकों का मनोरंजन तो होगा ही, क्षेत्रीय संस्कृतियों के बीच आदान–प्रदान भी बढ़ेगा और भारत की भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता मजबूत होगी।

उत्तर पूर्वी आठ राज्यों से आए कलाकारों का बिहार की ज्ञान और कला की पावन भूमि पर स्वागत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार एवं बिहार सरकार भी सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास तथा कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएँ संचालित कर रही हैं। बिहार में कला–संस्कृति विभाग कई महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रत्येक वर्ष 70 से भी अधिक सांस्कृतिक महोत्सवों का आयोजन करता है। कई महत्वपूर्ण ग्रंथों के प्रकाशन तथा सांस्कृतिक परिसरों के निर्माण विभाग द्वारा हुए हैं। राज्य के मोतिहारी, बेतिया एवं मुजफ्फरपुर शहर में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के नाम पर तीन सांस्कृतिक भवन बन रहे हैं। सभी प्रमंडलीय मुख्यालयों में भी सांस्कृतिक भवनों के निर्माण की योजना है। कलाकारों के सम्मान एवं कल्याण हेतु भी बिहार में योजनाएँ संचालित हो रही हैं। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार बिहार की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि के विकास हेतु आगे भी भरपूर प्रयास करती रहेगी।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली कलाकारों को प्रोत्साहित किये जाने की जरूरत है।

आगे पृष्ठ...2 पर

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि '**OCTAVE**' सांस्कृतिक महोत्सव के माध्यम से भारत की 'विविधता में एकता' वाली संस्कृति मुखर होगी। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े उत्तर–पूर्वी राज्यों की संस्कृति में भारत की विभिन्न जनजातीय संस्कृति की विशेषताएँ समाहित हैं। उन्होंने कहा कि 'अलग भाषा अलग वेश, फिर भी अपना एक देश' का कथन इस समारोह के जरिये चरितार्थ हो रहा है। 'पटना हो या हो गोहाटी, अपना देश, अपनी माटी' – के नारे को दुहराते हुए उप मुख्यमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इस समारोह से भारत की भावनात्मक एकता को ताकत मिलती है। उन्होंने उत्तरपूर्वी राज्यों के कलाकारों को हर वर्ष बिहार बुलाने तथा बिहार के पर्यटकों को एक बार उत्तरपूर्वी राज्यों का दौरा निर्धारित कराने का सुझाव दिया।

राज्य के कला, संस्कृति एवं युवा मामलों के मंत्री श्री प्रमोद कुमार ने कहा कि समारोह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की माननीय प्रधानमंत्री की परिकल्पना को साकार कर रहा है। उन्होंने राज्य सरकार की कला–संस्कृति विभागीय योजनाओं से अवगत कराते हुए बिहार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासतों का भी उल्लेख किया।

समारोह में स्वागत–भाषण बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रधान सचिव श्री रवि मनुभाई परमार एवं धन्यवाद–ज्ञापन पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की निदेशक श्रीमती गौरी बसु ने किया। उद्घाटन–कार्यक्रम में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक श्री सौभाग्यवर्द्धन, नार्थ सेन्ट्रल जोन सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज के निदेशक श्री इन्द्रजीत ग्रोवर, साऊथ सेन्ट्रल जोन कल्चरल सेन्टर के निदेशक डॉ॰ दीपक एस॰ खिरवाडकर सहित, केन्द्रीय संस्कृति विभाग तथा बिहार कला–संस्कृति विभाग आदि के वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

समारोह पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र कोलकाता, बिहार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग तथा केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है। यह सांस्कृतिक महोत्सव 12 दिसंबर से 14 दिसंबर 2019 तक चलेगा। समारोह उद्घाटन के पूर्व महामहिम राज्यपाल एवं उप मुख्यमंत्री ने 'ऑक्टेव' के अन्तर्गत आयोजित कला–प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। राज्यपाल, उप मुख्यमंत्री, कला एवं संस्कृति मंत्री तथा हजारों दर्शकों ने उत्तरपूर्वी आठ राज्यों के कलाकारों के रंगमय गीत–संगीत एवं नृत्य का भी भरपूर आनंद लिया।

.....